फारमर फर्स्ट परियोजना के अर्न्तगत किसान सप्ताह का आयोजन

भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर की फारमर फर्स्ट परियोजना के अर्न्तगत पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की स्मृति में 18.12.2017 से 23.12.2017 तक किसान सप्ताह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान निदेशक डा. राजकुमार सिंह के दिशा निर्देशन में किसानों की आय दुगनी करने हेतु चलाया गया। ईस्माइलपुर, निसोई, फतेहगंज और इखलाशपुर कुँडरिया के बकरी और भेड़ पालक किसानों को समस्याओं का अध्ययन किया गया अधिकाश किसान भाईयां का मानना था कि बरसीम खिलाने से ठंड लग जाती है कोई भी किसान बरसीम बकरी और भेड़ को नहीं खिलाते हैं, पेट के परजीवीयों के दवाई देना और टीकाकरण के निरोग रोधी उपायों को भी किसान भाई नहीं जानते है। अतः इन तथ्यों को ध्याान में रखते हुए चयनित गाँवों के 33 बकरी और भेड़पालकों को किसान सप्ताह के दौरान भा.कृ.अ.प.–केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम, फरह मथुरा को 18.12.2017 को भेजा गया था, वहाँ 19.12.2017 से 23.12.2017 तक किसानों को बकरी और भेड़ों की बीमारियों तथा उनकी रोक थाम, संतुलित आहार हरे चारे का महत्व, संतुलित आहार बनाना, खिलाई–पिलाई और चराई, बकरी और भेड़ों के लिए आवास का निर्माण विभिन्न आयु वर्ग के पशुओं का प्रबंधन, मेमनों की मृत्यु दर की रोक थाम, चारे की फसल और वृक्षों की खेती, आवास की सफाई और वैज्ञानिक प्रबंधन के बारे में बताया गया, इसके साथ ही किसानों को बकरी एवं भेड़ की उन्नत प्रजातियों की विशेषताओं, बकरी बेचने के लिए ई–हाट के बारे में बताया। इसी संस्थान के बरबरी बकरी फार्म, जमुना पारी बकरी फार्म, झकराना बकरी फार्म, और मुज्जफर नगरी भेड़ फार्म पर सभी परखी हुई तकनीकियों का प्रदर्शन और प्रयोगात्मक प्रशिक्षण दिया गया। बकरी की नस्ल सुधारने के लिए प्रजनन और समागम की विधियों को बताया गया। किसानों को वैज्ञानिक बकरी और भेड़ प्रबंधन पर बीडियों फिल्म भी

दिखाई गयी। सभी किसानों को राजस्थान बरबरी बकरी फार्म, धौलपुर जहां पर 250 बरबरी बकरियां वैज्ञानिक तरीके से पाली जा रही है भ्रमण कराया और बरबरी बकरी पालकों का उत्पादक संघ दिखाया। केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा. मनमोहन सिंह चौहान और इसी संस्थान के बरबरी बकरी फार्म के प्रभारी वैज्ञानिक और इस परियोजना के सह–अन्वेषक ने स्वंय किसानों के साथ जाकर इस सफल फार्म को दिखाया जो एक वर्ष में 15 लाख रूपये से भी अधिक कमाता है।

किसान दिवस के अवसर पर सभी बकरी एवं भेड़ पालकों को केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान के कार्यकारी निदेशक डा. एस.के. जिंदल ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जो भी प्रशिक्षण के दौरान ज्ञान प्राप्त किया है उसकों अपने–अपने गाँवों में जाकर प्रचार–प्रसार करें और अपनाये।

फारमर फर्स्ट परियोजना के प्रधान अन्वेषक डा. रणवीर सिंह ने बताया कि 21 किसानों को 65 बरबरी बकरी तथा 19 किसानों को 60 मुजफ्फरी नगरी भेड़ नस्ल सुधार के लिए दी गई है। इस प्रशिक्षण का समन्वयक डा. मनोज कुमार सिंह, सह–समन्वयक डा. ए.के. दीक्षित एवं डा. महेश शिवानंद दिघे ने किया तथा परियोजना के वरिष्ठ अध्येता डा. अरूण प्रताप सिंह ने सहयोग दिया।